

न्यायालय अति.जिला कलक्टर, भीलवाड़ा

पीठासीन अधिकारी डॉ. राजेश गोयल (आर.ए.एस.)

प्रकरण संख्या : 427/2020 आवंटन निरस्त

- | | | |
|--|------|---|
| 1. राज्य सरकार जरिये तहसीलदार
जहाजपुर जिला भीलवाड़ा | बनाम | 1. श्रीमती सुन्दर वेवा छोटू, कैलाश पुत्र छोटू,
गुलाबी, गुडडी, कंचन, मधु पुत्रियां छोटू,
मीणा निवासी कुचलवाड़ा कलां तहसील
जहाजपुर |
|--|------|---|

—प्रार्थी

—विपक्षीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत राजस्थान भू आवंटन नियम 1970 के नियम 14(4)

उपरिथत —

- राजकीय अधिवक्ता — प्रार्थी की ओर से


निर्णय

दिनांक 14.09.2021

प्रार्थी की ओर से एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत कृषि प्रयोजनार्थ भू-आवंटन नियम 1970 के नियम 14(4) विरुद्ध विपक्षी के प्रेषित कर निवेदन किया कि विपक्षी को ग्राम कुचलवाड़ा कलां की आ.न. 1483/2 रकबा 1.00 बीघा भूमि का आवंटन कमेटी द्वारा आवंटन की गयी। आवंटि के नाम गैर खातेदारी दर्ज रेकार्ड है। आवंटि (अप्रार्थी) द्वारा आवंटन शर्तों की पालना नहीं कर उल्लंघना की है। आवंटित भूमि पर आवंटि का मौके पर कब्जा व काश्त नहीं है। अतः अप्रार्थी के पक्ष में किया गया आवंटन निरस्त किया जाकर बिलानाम सरकार दर्ज किये जाने का आदेश फरमावें।

प्रस्तुत प्रार्थना पत्र न्यायालय में दिनांक 27.10.2020 को दायर किया जाकर विपक्षी को नोटिस जारी किये गये।

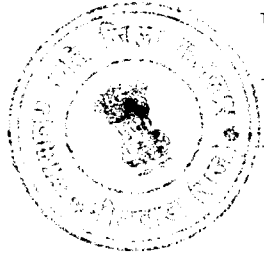
प्रार्थी के प्रार्थना पत्र पर उपलब्ध तथ्यों एवं दस्तावेजों का भलीभांति परीक्षण किया गया। जिसके उपरान्त पाया कि विपक्षी के सम्मन की तामील में विपक्षी सं. 01 फोट होना एवं शेष विपक्षीयों की सकुगत गलत होना अंकित किया है। प्रार्थी



अति. जिला कलक्टर
भीलवाड़ा

तहसीलदार जहाजपुर ने सही कायम मुकाम रिपोर्ट व सही सकुनत मय सम्मन नोटिस पेश नहीं कर विपक्षी के विरुद्ध प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 14(4) प्रस्तुत किया है, जो नियम विरुद्ध होने से प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 14(4) खारिज किया जाता है।

तहसीलदार जहाजपुर द्वारा कायम मुकाम रिपोर्ट व सही सकुनत रिपोर्ट मय सम्मन भी पेश नहीं किये गये। जबकि प्रार्थी का उक्त प्रार्थना पत्र न्यायालय में दिनांक 27.10.2020 से ही पंजीबद्ध चला आ रहा है। प्रकरण में काफी समय व्यतीत होने पर भी प्रार्थी ने विधिवत प्रक्रिया नहीं अपनायी है, इस प्रकार तहसीलदार जहाजपुर ने न्यायालय का श्रम व समय अनावश्यक जाया किया है। उपरोक्त विवेचन अनुसार प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अस्वीकार किया जाता है। निर्णय की प्रति तहसीलदार जहाजपुर को प्रेषित की जावे। तहसीलदार जहाजपुर पूर्ण दस्तावेज की जांच कर प्रकरण नये सिरे से न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु स्वतंत्र हैं।

निर्णय आज दिनांक 14.09.2021 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।




(डॉ. राजेश गोयल)
अति-पब्लिक क्लर्क
भिलवाड़ा